पंजाब केसरी
FRI,10 JULY 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 4

एच.पी. बोर्ड ने मार्च-2027 की परीक्षाओं के लिए जारी किए मॉडल प्रश्न पत्र

धर्मशाला, 9 जुलाई (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और परख टैक्सोनॉमी के तहत आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए मॉडल प्रश्न पत्र और अंकों का विभाजन जारी कर दिया है। यह नई व्यवस्था मार्च-2027 में होने वाली परीक्षाओं के लिए लागू होगी, जिसे छात्र और शिक्षक बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। नई प्रणाली के तहत कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए योग्यता आधारित और आधुनिक पद्धति पर प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं। बोर्ड ने साफ किया है कि इस बार नौवीं और दसवीं के सिलेबस में कोई बदलाव नहीं किया गया है, पुराना पाठ्यक्रम ही मान्य होगा। इसके अलावा तीसरी और आठवीं कक्षा के पैटर्न में भी कोई फेरबदल नहीं है, जबकि ग्यारहवीं और बारहवीं के व्यावसायिक विषयों के संशोधित मॉडल प्रश्न पत्र जल्द ही वैबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे। बोर्ड का मुख्य उद्देश्य छात्रों को परीक्षा के नए प्रारूप और अंकों के पैटर्न को समझाना है, ताकि वे बिना किसी भ्रम के बेहतर तैयारी कर सकें।

> नए मॉडल प्रश्न पत्र विद्यार्थियों को आधुनिक परीक्षा प्रणाली और प्रश्नों के बदलते स्वरूप को समझाने के लिए जारी किए गए हैं। सभी शिक्षक और छात्र वैबसाइट से इन्हें डाऊनलोड कर इसी पैटर्न के आधार पर अपनी परीक्षाओं की तैयारी शुरू करें।
>
> — डा. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।

Amar Ujala 10-07-2026

एनईपी-2020 और परख के अनुरूप शिक्षा बोर्ड ने जारी किए मॉडल प्रश्नपत्र

मार्च की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध कराया अंक विभाजन

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और परख के अनुरूप मार्च-2027 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए विभिन्न कक्षाओं के मॉडल प्रश्न पत्र एवं अंक विभाजन (मार्क्स डिस्ट्रीब्यूशन) जारी कर दिए हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि सभी मॉडल प्रश्न पत्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर डाउनलोड अनुभाग में विषयवार उपलब्ध करा दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए योग्यता आधारित और परख के अनुरूप आधुनिक परीक्षा प्रणाली पर आधारित मॉडल प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों को नई परीक्षा प्रणाली, प्रश्नों के स्वरूप तथा अंक विभाजन की स्पष्ट जानकारी देना है, ताकि वे बोर्ड परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कर सकें। बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि कक्षा नौवीं एवं दसवीं के पाठ्यक्रम में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। इन कक्षाओं का पाठ्यक्रम पूर्ववत ही लागू रहेगा। वहीं कक्षा तीसरी एवं आठवीं के पाठ्यक्रम तथा मॉडल प्रश्न पत्रों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कक्षा 11वीं और 12वीं के व्यावसायिक विषयों के संशोधित पाठ्यक्रम के अनुरूप नए मॉडल प्रश्न पत्र जल्द ही बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। सभी विद्यालयों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों से अपील की कि वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्रों एवं अंक विभाजन का अध्ययन कर अपनी परीक्षा तैयारी को नई परीक्षा प्रणाली के अनुरूप आगे बढ़ाएं। **- डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड**

एएमआरयू : कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 12 को, रोल नंबर जारी

मंडी। अटल मेडिकल एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (एएमआरयू) नेरचौक ने 12 जुलाई को होने वाले कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी)-2026 के लिए पैरामेडिकल (एमएलटी) और बी फार्मेसी (आयुर्वेद) कोर्स के अभ्यर्थियों के रोल नंबर जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में जारी मानसून और खराब मौसम को देखते हुए विश्वविद्यालय ने परीक्षार्थियों के लिए विशेष एडवाइजरी भी जारी की है।

बरसात को देखते हुए अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचने की अपील

विश्वविद्यालय ने साफ किया है कि दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले अभ्यर्थी यात्रा की योजना पहले से बनाएं। यदि संभव हो तो परीक्षा से एक दिन पहले ही परीक्षा केंद्र वाले शहर पहुंच जाएं। ताकि बारिश, भूस्खलन, ट्रैफिक जाम या सड़क बंद होने जैसी परिस्थितियों के कारण किसी प्रकार की परेशानी न हो। अभ्यर्थियों को निर्धारित रिपोर्टिंग समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने तथा अपने साथ एडमिट कार्ड और वैध फोटो पहचान पत्र लाने के निर्देश भी दिए गए हैं। एएमआरयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश कुमार भवानी ने बताया कि परीक्षा केंद्र बदलने से संबंधित किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में किसी तरह की तकनीकी समस्या आने पर अभ्यर्थी कार्यालय समय में विश्वविद्यालय के हेल्पलाइन नंबर और ई-मेल पर संपर्क कर सकते हैं। संवाद

HImachal Dastak 10-07-2026

प्रदेश के स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय शुरू करने की तैयारी

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने छठी से आठवीं कक्षा के लिए नया सब्जेक्ट शुरू करने का सरकार को भेजा प्रस्ताव

मस्तराम डलैल | शिमला

- **तमिलनाडु के बाद देश का दूसरा राज्य बनेगा हिमाचल**
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रदेश में हुई शुरुआत**
- **राज्य के 3 लाख छात्रों को मिलेगा एआई का सीधा लाभ**
- **मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल की बैठक में आ सकता है मामला**

स्कूल शिक्षा को आधुनिकता और रोजगार से जोड़ने के लिए हिमाचल सरकार राज्य के स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का नया सब्जेक्ट शुरू कर सकती है। इसके लिए हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एक प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजा है। इसमें कहा गया है कि छठी से लेकर आठवीं तक कक्षाओं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नया विषय शुरू किया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत की जा रही इस पहल के प्रस्ताव में कई फायदे बताए गए हैं। राज्य सरकार को पहुंचे इस प्रपोजल को चर्चा के लिए मंत्रिमंडल की बैठक में लाया जाएगा। लिहाजा सरकार से हरी झंडी मिली, तो हिमाचल प्रदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विषय को स्कूलों में शुरू करने वाला देश का दूसरा राज्य बन जाएगा। इससे पहले तमिलनाडु ने पिछले वर्ष छठी से नौवीं कक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पढ़ाना शुरू कर दिया है। बताते चलें कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड राज्य में स्कूली शिक्षा को आधुनिक और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत की जा रही है, जिसमें स्किल-आधारित शिक्षा और कोडिंग जैसी 21वीं सदी की स्किल्स को मिडिल स्कूल से ही शुरू करने पर जोर दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार एआई को शुरू में एक वैकल्पिक या कौशल-आधारित विषय के तौर पर जोड़ा जाएगा ताकि

बच्चों पर अतिरिक्त पढ़ाई का बोझ न पड़े। सिलेबस में एआई की बेसिक जानकारी, रोजमर्रा की जिंदगी में इसके इस्तेमाल, मशीन लर्निंग के आसान कॉन्सेप्ट, डेटा की समझ और एथिकल एआई जैसे विषय शामिल किए जाएंगे। पढ़ाई को थ्योरी तक सीमित न रखकर प्रोजेक्ट-आधारित और एक्टिविटी-बेस्ड बनाया जाएगा, जिससे बच्चों में लॉजिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी और समस्या सुलझाने की क्षमता विकसित हो। सरकार से मंजूरी मिलते ही बोर्ड एनसीईआरटी और सीबीएसई के एआई सिलेबस के आधार पर हिमाचल के लिए खास पाठ्यक्रम तैयार करेगा। इसके साथ ही मौजूदा कंप्यूटर शिक्षकों और टीजीटी शिक्षकों को एआई पढ़ाने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए एससीईआरटी सोलन और आईटी कंपनियों के साथ मिलकर ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार किए जा सकते हैं। स्कूलों में कंप्यूटर लैब को भी अपग्रेड करने की योजना है। बोर्ड के अधिकारियों का मानना है कि छठी कक्षा से ही एआई की समझ मिलने से छात्र भविष्य में इंजीनियरिंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों के लिए बेहतर तरीके से तैयार होंगे। इससे पर्वतीय राज्य के बच्चों को भी बड़े शहरों के छात्रों के बराबर अवसर मिलेंगे। सरकार की मंजूरी के बाद इस विषय को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कुछ चुनिंदा स्कूलों में शुरू किया जा सकता है, फिर सफलता के आधार पर पूरे प्रदेश में लागू होगा। इस फैसले से हिमाचल के करीब 3 लाख मिडल स्कूल के छात्रों को सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है।

Dainik Jagran 10-07-2026

शिक्षा बोर्ड ने जारी किए माडल प्रश्नपत्र

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2027 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं की विभिन्न कक्षाओं के माडल प्रश्नपत्र और अंक विभाजन जारी कर दिए हैं। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और मूल्यांकन सुधार एवं समीक्षा निकाय (परख) की रूपरेखा के अनुरूप की गई है। कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए योग्यता आधारित तथा मूल्यांकन की नई पद्धति पर आधारित माडल प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं। विद्यार्थियों और अध्यापकों की सुविधा के लिए इन्हें विषयवार बोर्ड की वेबसाइट के डाउनलोड अनुभाग में उपलब्ध करवाया गया है।

डा. राजेश ने स्पष्ट किया कि कक्षा नौवीं और दसवीं के पाठ्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया है। दोनों कक्षाओं का वर्तमान पाठ्यक्रम पहले की तरह प्रभावी रहेगा। जमा एक और दो के व्यावसायिक विषयों के पाठ्यक्रम में हुए बदलाव के अनुसार संशोधित माडल प्रश्नपत्र भी जल्द बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। कक्षा तीसरी और आठवीं के पाठ्यक्रम तथा माडल प्रश्न पत्रों में कोई परिवर्तन नहीं किया है और वे पूर्ववत लागू रहेंगे। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि माडल प्रश्नपत्र जारी करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को नई परीक्षा प्रणाली, प्रश्नों के स्वरूप और अंक विभाजन की बेहतर समझ प्रदान करना है।

Dainik Jagran 10-07-2026

शिक्षा में हिमाचल का सर्वश्रेष्ठ जिला बना हमीरपुर

- पीजीआइ-डी रिपोर्ट में हिमाचल देश के शीर्ष 10 राज्यों में
- प्रदेश के छह जिले उत्तम-2 व छह जिले उत्तम 3 श्रेणी में

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला : शिक्षा में गुणात्मक सुधार के साथ हिमाचल ने राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पहचान कायम रखी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी परफार्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स फार डिस्ट्रिक्ट्स (पीजीआइ-डी) रिपोर्ट 2025-26 में हिमाचल देश के शीर्ष 10 राज्यों में है। हिमाचल के छह जिले उत्तम-2 व छह जिले उत्तम-3 श्रेणी में आए हैं। हमीरपुर 422 अंक प्राप्त कर शिक्षा में प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला बना है। शिमला 402 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

हिमाचल का प्रदर्शन पड़ोसी राज्यों से ज्यादा प्रभावशाली रहा है। हरियाणा का सर्वश्रेष्ठ जिला गुरुग्राम 383 अंकों तक पहुंचा जबकि हिमाचल का हमीरपुर 422 अंक लेकर काफी आगे रहा। जम्मू-कश्मीर का कोई भी जिला उत्तम-2 ग्रेड तक नहीं पहुंचा। पुलवामा 339 अंकों के साथ सर्वोच्च जिला रहा। रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल की मजबूती केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं है। प्रदेश ने सीखने के परिणाम, कक्षा शिक्षण, शिक्षक उपलब्धता, स्कूल प्रबंधन और प्रशासनिक निगरानी जैसे प्रमुख मानकों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। यही कारण है कि अधिकांश जिले उच्च ग्रेड में पहुंचे रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल लर्निंग, आधारभूत सुविधाओं, छात्र सुविधाओं और कुछ जिलों में गवर्नेंस प्रक्रियाओं में अभी सुधार की बहुत जरूरत है।

लर्निंग आउटकम में हमीरपुर (191 अंक) शीर्ष पर जबकि लाहुल स्पीति (188 अंक) के साथ दूसरे और सिरमौर (180 अंक) तीसरे स्थान पर रहा। प्रभावी कक्षा लेन-देन में चंबा और ऊना (73-73 अंक) संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे।

आधारभूत सुविधाएं व छात्र सुरक्षा में कांगड़ा (39 अंक) पहले जबकि हमीरपुर और कुल्लू (38-38) संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। स्कूल सुरक्षा एवं बाल संरक्षण में शिमला (25 अंक) सबसे आगे जबकि हमीरपुर (24 अंक) दूसरे स्थान पर रहा। डिजिटल लर्निंग में किन्नौर (32 अंक) ने प्रदेश में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए जबकि हमीरपुर (27 अंक) दूसरे स्थान पर रहा। गवर्नेंस प्रोसेस में हमीरपुर (71 अंक) पहले जबकि शिमला व बिलासपुर 70-70 संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता >> संपादकीय

आकांक्षी-1 श्रेणी से प्रचेष्टा-2 में पहुंचा प्रदेश

हिमाचल प्रदेश को इस बार प्रचेष्टा-2 ग्रेड मिला है जबकि 2022-23 व 2023-24 में आकांक्षी-1 श्रेणी में हिमाचल आया था। इस साल प्रदेश का कुल स्कोर 659.2 रहा। राज्य ने सुधार के साथ आकांक्षी-1 श्रेणी से प्रचेष्टा-2 श्रेणी में स्थान बनाया है। हिमाचल ने 85.4 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की है।

क्या है पीजीआइ-डी रिपोर्ट

पीजीआइ-डी रिपोर्ट देश के 784 जिलों के मूल्यांकन व 600 अंकों के पैमाने पर तैयार की गई है। इसमें 70 संकेतक आधार पर छह प्रमुख श्रेणियां हैं। आउटकम, प्रभावी कक्षा शिक्षण, आधारभूत सुविधाएं एवं छात्र अधिकार, स्कूल सुरक्षा, बाल संरक्षण व डिजिटल लर्निंग गवर्नेंस का आकलन किया गया है।

हिमाचल के जिलों का प्रदर्शन

जिला	अंक	ग्रेड
हमीरपुर	422	उत्तम-2
शिमला	402	उत्तम-2
कुल्लू	393	उत्तम-2
चंबा	392	उत्तम-2
ऊना	391	उत्तम-2
सोलन	390	उत्तम-2
कांगड़ा	389	उत्तम-3
बिलासपुर	381	उत्तम-3
सिरमौर	378	उत्तम-3
लाहुल स्पीति	376	उत्तम-3
मंडी	373	उत्तम-3
किन्नौर	360	उत्तम -3

पुनर्मूल्यांकन के बाद तीसरे से पहले स्थान पर पहुंचीं मुस्कान

नगर संवाददाता-बंगाणा

■ 488 से बढ़कर 494 हुए अंक, कॉमर्स संकाय की टॉपर बनी ऊना की बेटी

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की जमा दो परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन में जिला ऊना के कुसान रानौतां गांव की छात्रा मुस्कान ठाकुर ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पुनर्मूल्यांकन के बाद मुस्कान ठाकुर के अंक 488 से बढ़कर 494 हो गए। इसके साथ ही वह प्रदेश की मेरिट सूची में तीसरे स्थान से पहले स्थान पर पहुंच गई। इतना ही नहीं मुस्कान कॉमर्स संकाय में प्रदेश के इतिहास में अब तक सबसे अधिक 494 अंक हासिल करने वाली छात्रा भी बन गई हैं। इससे पहले टॉपर रही विद्यार्थी के 491 थे। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धुंधला की छात्रा मुस्कान की इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य व सभी अध्यापकों ने मुस्कान व उसके परिवार को बधाई दी। मुस्कान का सपना भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होना है।

Amar Ujala 10-07-2026

पुनर्मूल्यांकन के बाद मुस्कान बनी प्रदेश की टॉपर

494 अंकों के साथ प्रदेशभर में कॉमर्स में किया टॉप, आईएएस अफसर बनना मकसद

थानाकलां (ऊना)। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ

माध्यमिक पाठशाला धुंदला की छात्रा मुस्कान ठाकुर निवासी कुसां रानौतां ने एचपी बोर्ड की जमा दो परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन के बाद प्रदेशभर की टॉप-10 मेरिट सूची (कॉमर्स संकाय) में प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रारंभिक परीक्षा परिणाम में मुस्कान प्रदेश की मेरिट सूची में 488 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही थी। इसके बाद उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन करवाने पर अंक बढ़कर 494 हो गए, जो कॉमर्स संकाय में प्रथम स्थान पर रहे विद्यार्थी से भी अधिक हैं। इसके साथ ही मुस्कान एचपी स्कूल शिक्षा बोर्ड की टॉप मेरिट सूची में शामिल हो गई है। मुस्कान ने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों के मार्गदर्शन और कठिन परिश्रम को दिया है। उनके पिता सुभाष चंद अमृतसर में हलवाई का कार्य करते हैं, जबकि माता मीना कुमारी गृहिणी हैं। मुस्कान का सपना भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में चयनित होकर समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग की सेवा करना है। संवाद

Divya Himachal 10-07-2026

नौवीं-दसवीं के नए मॉडल प्रश्न पत्र जारी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) और परख (परख टैक्सॉनोमी) के मानकों के अनुरूप मार्च 2027 की वार्षिक परीक्षाओं के लिए कक्षा नौवीं और दसवीं के मॉडल प्रश्न पत्र तथा विषयवार अंक विभाजन जारी कर दिए हैं। बोर्ड ने इन्हें अपनी आधिकारिक वेबसाइट के डाउनलोड अनुभाग में उपलब्ध कराया है। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए कॉम्पिटेंसी आधारित प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन दोनों कक्षाओं के पाठ्यक्रम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि कक्षा 11वीं और 12वीं के मॉडल प्रश्न पत्र तैयार किए जा रहे हैं और उन्हें शीघ्र ही बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।

HPBOSE 12वीं के छात्रों का इंतज़ार खत्म, पुनर्मूल्यांकन और पुनर्निरीक्षण के नतीजे जारी

दैनिक जागो वर्ल्ड ! धर्मशाला/ राकेश कुमार

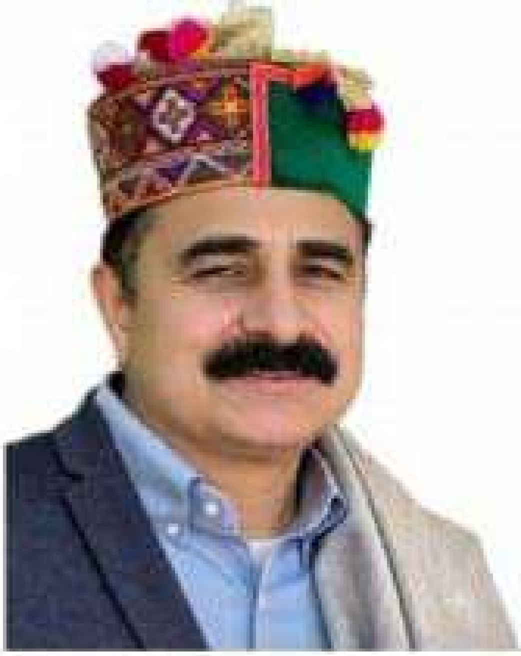

हिमाचल प्रदेश में 12वीं कक्षा (जमा दो) की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए एक राहत भरी खबर है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE), धर्मशाला ने मार्च 2026 में आयोजित हुई नियमित परीक्षाओं के पुनर्मूल्यांकन (Re-evaluation) और पुनर्निरीक्षण (Re-checking) के बहुप्रतीक्षित परिणाम आधिकारिक तौर पर घोषित कर दिए हैं। अंकों में सुधार की उम्मीद लगाए बैठे छात्र अब बिना किसी देरी के अपना संशोधित परिणाम बोर्ड की वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिन भी अभ्यर्थियों ने अपने अंकों से असंतुष्ट होकर पुनर्मूल्यांकन या पुनर्निरीक्षण के लिए आवेदन किया था, उनके संशोधित नतीजे ऑनलाइन कर दिए गए हैं। छात्रों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि वे बिना किसी परेशानी के बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट **www.hpbose.org** पर जाकर अपना ताजा परिणाम देख सकें। इसके साथ ही, बोर्ड ने छात्रों की किसी भी प्रकार की शंका या पूछताछ के समाधान के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि यदि किसी छात्र को पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया से जुड़ी कोई जानकारी चाहिए, तो वह कार्यालय समय के दौरान दूरभाष नंबर **01892-242158** पर संपर्क कर सकता है। वहीं, पुनर्निरीक्षण (री-चेकिंग) से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए दूरभाष नंबर **01892-242122** पर कॉल किया जा सकता है। बोर्ड अध्यक्ष ने सभी संबंधित अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे अपना परिणाम वेबसाइट से अवश्य जांच लें और किसी भी स्पष्टीकरण के लिए केवल इन्हीं निर्धारित हेल्पलाइन नंबरों का ही उपयोग करें। परिणाम ऑनलाइन देखने के बाद, जिन छात्रों के अंकों में बदलाव (सुधार) हुआ है, उन्हें बोर्ड द्वारा जल्द ही उनके संबंधित स्कूलों के माध्यम से नई और संशोधित अंकतालिकाएं (Original Marksheets) जारी की जाएंगी। छात्र पुरानी मार्कशीट के स्थान पर केवल नई मार्कशीट का ही उपयोग करें।समय का रखें ध्यान: बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, हेल्पलाइन नंबरों पर केवल कार्यालय समय (सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक) के दौरान ही संपर्क करें ताकि त्वरित सहायता मिल सके।

Major Exam Overhaul by Education Board: Question Papers Released in Line with NEP and PARAKH

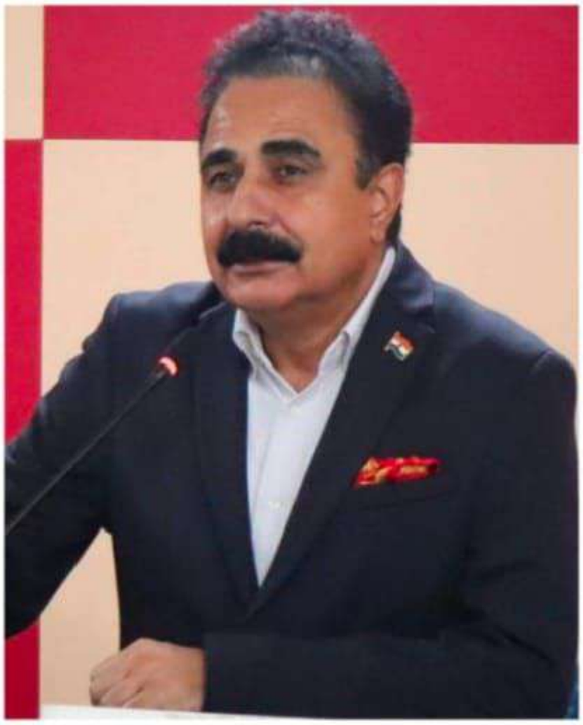

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA JUL 9 : Significant changes to the school education structure in Himachal Pradesh, aligned with the National Education Policy (NEP-2020), are now being implemented on the ground. The Himachal Pradesh Board of School Education , Dharamshala, has already accelerated preparations for the annual examinations scheduled for March 2027. As part of this initiative, the Board has released new model question papers and subject-wise marks distribution based on 'PARAKH' (Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development) standards on its official website (www.hpbose.org). This move will directly benefit lakhs of students in the state, enabling them to prepare for board exams based on competency rather than traditional rote learning. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma announced this significant decision, noting that competency-based question papers have been designed for classes 9 and 10 in accordance with modern educational methods. For the convenience of students and teachers, these model papers have been uploaded to the 'Download' section of the Board's website. However, a point of relief for students is that there have been no changes to the core syllabus for these classes; students will simply need to practice questions based on the new pattern using the previously established syllabus. Regarding senior classes, Dr. Sharma clarified that some changes have been made to the vocational subject curricula for classes 11 and 12. Revised model question papers aligned with these changes are currently in the final stages of preparation and will soon be made available on the website. Meanwhile, students in classes 3 and 8 (at the primary and middle levels) need not worry; the Board has made no alterations to their syllabus or examination patterns, and the existing system will remain in place for them.Board Emphasizes Stress-Free and Effective Preparation The primary objective of this new examination format is to mentally prepare students for the latest examination system. The Board Chairman stated that these model question papers would provide students with a better and more transparent understanding of the new question formats and the distribution of marks. This will reduce exam-related stress and make their preparation far more targeted and effective. He has strongly urged principals, teachers, and students across the state to download these new model question papers from the Board's website well in advance, study them thoroughly, and devise their strategies for the upcoming examinations accordingly.

डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
09 जुलाई, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नजर
आज की ताजा खबर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के तहत विभिन्न कक्षाओं के मॉडल प्रश्न पत्र बोर्ड की वेबसाइट उपलब्ध : डॉ. राजेश शर्मा

कक्षा तीसरी व आठवीं के पाठ्यक्रम तथा मॉडल प्रश्न पत्रों में नहीं किया गया है किसी प्रकार का परिवर्तन

पहली नजर ब्यूरो, कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा PARAKH Taxonomy के अनुरूप मार्च-2027 में आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के दृष्टिगत विभिन्न कक्षाओं के मॉडल प्रश्न पत्र एवं अंक विभाजन (मार्क्स डिस्ट्रीब्यूशन) बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org पर उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि कक्षा नौवीं एवं दसवीं के लिए योग्यता आधारित (कॉम्पिटेंसी-बेस्ड) एवं परख टैक्सनोमी के अनुरूप आधुनिक पद्धति पर आधारित मॉडल प्रश्न पत्र एवं अंक विभाजन तैयार किए गए हैं। विद्यार्थियों एवं अध्यापकों की सुविधा के लिए इन्हें विषयवार बोर्ड की वेबसाइट के डाउनलोड अनुभाग में उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन कक्षाओं के पाठ्यक्रम में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है तथा पाठ्यक्रम पूर्ववत ही प्रभावी रहेगा।

डॉ. शर्मा ने बताया कि कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के व्यावसायिक विषयों के पाठ्यक्रम में हुए परिवर्तनों के अनुरूप संशोधित मॉडल प्रश्न पत्र भी शीघ्र ही बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। वहीं कक्षा तीसरी एवं आठवीं के पाठ्यक्रम तथा मॉडल प्रश्न पत्रों में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है और वे पूर्ववत लागू रहेंगे।

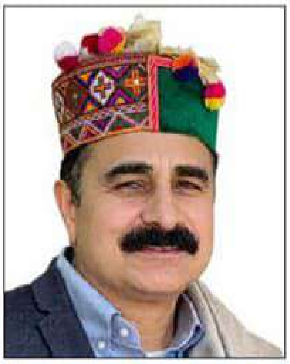

विद्यार्थी कर सकेंगे परीक्षाओं की अधिक प्रभावी ढंग से तैयारी

बोर्ड अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि मॉडल प्रश्न पत्रों का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवीन परीक्षा प्रणाली, प्रश्नों के स्वरूप एवं अंक विभाजन की बेहतर समझ प्रदान करना है, जिससे वे बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। उन्होंने सभी विद्यालयों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्रों का अध्ययन कर अपनी परीक्षा तैयारी को उसी अनुरूप आगे बढ़ाएं।